



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 110]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 9, 1994/फाल्गुन 18, 1915

No. 110] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 9, 1994/PHALGUNA 18, 1915

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तनपथ)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1994

सा.का.नि. 305(अ).—केन्द्र सरकार महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 को उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पत्तन न्यामी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कलकत्ता पत्तन न्याम (विभागाध्यक्षों की नियुक्ति) प्रथम संशोधन विनियम, 1994 का अंतर्गहन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. संख्या एच-11011/1/92 पी ई-1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

कलकत्ता पत्तन न्याम

(विभागाध्यक्षों की नियुक्ति)

प्रथम विनियम, 1994

महा पत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 की धारा 124 द्वारा पठित प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता पत्तन न्याम का न्यामी मंडल कलकत्ता पत्तन न्याम (विभागाध्यक्षों की नियुक्ति) विनियम, 1990 (1991) में संशोधनार्थ निम्नलिखित विनियम बनाता है :—

1. संक्षिप्त नाम—इन विनियमों को कलकत्ता पत्तन न्याम (विभागाध्यक्षों की नियुक्ति) प्रथम संशोधन विनियम 1994 कहा जा सकेगा।
2. सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से यह लागू हो जाएंगे।
3. कलकत्ता पत्तन न्याम (विभागाध्यक्षों की नियुक्ति) विनियम, 1990 (1991) के वर्तमान विधान को निम्नलिखित में प्रतिस्थापित किया जाएगा:
(i) विनियम 1, के अंतर्गत संक्षिप्त नाम

तथा प्रारम्भ में विनियमों के नाम को इन शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा "इन विनियमों को कलकत्ता पत्तन न्यास (विभागाध्यक्षों की नियुक्ति) विनियम, 1991 कहा जा सकेगा।"

(ii) पुष्टि में संबंधित विनियम (1) के अंत में निम्नलिखित वाक्य को जोड़ा जाएगा :—

"नियुक्ति प्राधिकारी मामले के अनुसार परीक्षा की अवधि के समाप्त होने के एक महीने के भीतर संबंधित विभागाध्यक्ष की परीक्षा अवधि का संतोषजनक रूप में पूरा होने का अनुमोदन करेगा या इसका पुष्टिकरण करेगा।"

(iii) विवाह संविदा से संबंधित नियम 10(2) के प्रवधान को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करेगा :—

"वशत कि नियुक्ति प्राधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह का विवाह ऐसे व्यक्ति पर या विवाह करने वाले दल पर लागू व्यक्ति कानून के अंतर्गत स्वीकृत है या ऐसा करने के लिए कानूनी रूप में उसे अनुमति प्राप्त है तो कथित विनियम के संचालन से ऐसे व्यक्ति को छूट दी जा सकेगी।"

(iv) उम्मीदवार की शारीरिक सक्षमता से संबंधित विनियम 10(6) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"उम्मीदवार अच्छी मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य का अधिकारी होगा तथा वह एक विभागाध्यक्ष का कर्तव्य निभाने के लिए शारीरिक विकलांगता से रहित होगा। उम्मीदवार जिस चिकित्सा बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के पश्चात् अयोग्य घोषित कर दिया जाए वह नियुक्ति नहीं होगा। लेकिन यदि, उम्मीदवार पहले ही न्यास मंडल की सेवा में या केन्द्रीय सरकार संगठन में सेवारत है तो उसे चिकित्सा परीक्षा के लिए नहीं जाना होगा।"

(v) चयन आयोग के गठन से संबंधित विनियम 11(2) (iii) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"कोई भी अन्य अधिकारी जिसके पास उस पद से संबंधित विषय पर अत्यधिक अनुभव हो केन्द्र सरकार द्वारा कथित पद के लिए नामित किया जा सकेगा।"

(vi) नियुक्ति पत्र के रद्द किए जाने से संबंधित विनियम 17 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"यदि कोई उम्मीदवार किसी पद के लिए सीधी नियुक्ति के लिए चुने जाने पर नियुक्ति आदेश जारी होने की तिथि के 30 दिन के भीतर सेवा में नहीं उपस्थित होता हो तो, नियुक्ति आदेश को रद्द माना जाएगा।"

(vii) मुख्य यांत्रिक अभियंता भी पद के उस अनुसूची में आने वाले मव 5 के उप शीर्षक "वांछनीय" के प्रवधान को जो सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक तथा अन्य योग्यताओं से संबंधित है को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"माल संचालन उपकरण तथा पत्तन यानों के संचालन एवं परियोजना प्रबंधन से संबंधित बरिष्ठ प्रशासनिक पद पर कार्य अनुभव।"

टिप्पणी :—कलकत्ता पत्तन न्यास (विभागाध्यक्षों की नियुक्ति विनियम 1990 (1991) को केन्द्र सरकार द्वारा अनुमोदन किया गया था और उसे 18 फरवरी, 1991 को जी एस आर संख्या 78(ई) के तहत 18 फरवरी, 1991 को को भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 1994

G.S.R. 305(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust (Recruitment of Heads of Department) First Amendment Regulations, 1994 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. H-11011/1/92-PE-1]

ASHOK JOSHI, Jt. Secy.

THE CALCUTTA PORT TRUST (RECRUITMENT OF HEADS OF DEPTTS.) FIRST AMENDMENT REGULATIONS, 1994

In exercise of the powers conferred by Section 28, read with Section 124, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby makes the following Regulations to amend the Calcutta Port Trust (Recruitment of Heads of Deptts.) Regulations, 1990 (1991).

1. Short Title.—These Regulations may be called the Calcutta Port Trust (Recruitment of Heads Deptt.) First Amendment Regulations, 1994.

2. These will come into force from the date of publication in the Official Gazette.

3. In the Calcutta Port Trust (Recruitment of Heads of Deptts.) Regulations, 1990 (1991), the existing provision will be substituted as follows :—

(i) In the short title and commencement under Regulation 1, the name of the Regulations will be substituted by the words "These regulation," may be called Calcutta Port Trust (Recruitment of Heads of Deptts.) Regulations, 1991."

(ii) Under Regulation 7(1) relating to confirmation the following sentence will be added at the end :—

"The appointing authority shall convey its approved regarding satisfactory completion of probationary

period or shall confirm the concerned Head of Department, as the case may be, within one month from the date of completion of his probation."

- (iii) The proviso under Regulation 10(2) relating to contracting a marriage shall be substituted by the following :—

"Provided that appointing authority may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds legally permitted for doing so exempt any person from the operation of the said Regulation."

- (iv) Regulation 10(6) relating to physical fitness of candidate will be substituted by the following :—

"A candidate shall be in good mental and bodily health and free from any physical defects likely to interfere with the discharge of the duties as a Head of Department. A candidate who after medical examination is declared unfit by the Medical Board, will not be appointed provided that a candidate already in service of the Board or any other Central Government Organisation shall not be required to undergo such medical examination."

- (v) Regulation 11(2)(iii) regarding composition of Selection Committee will be substituted by the following :—

"Any other officer having wide experience in the field relating to the post as may be nominated by the Central Government".

- (vi) Regulation 17 regarding cancellation of appointment order will be substituted by the following :—

"If a candidate selected for direct appointment to a post fails to join duty within 30 days or the date of issue of the appointment order, the appointment order shall be deemed to have been cancelled."

- (vii) The provision under the sub-heading "desirable" of Item 5 relating to educational and other qualifications required for direct recruitment as appeared in the Schedule for the post of Chief Mechanical Engineer will be substituted by the following :—

"Experience in a senior administrative position for Project management and operation of cargo handling equipment and Port Crafts".

Note : The Calcutta Port Trust (Recruitment of Heads of Department) Regulations, 1990 (1991) were sanctioned by the Central Government and published in the Gazette of India (Extraordinary) dated the 18th February, 1991 vide GSR No. 78(E) of 18th February, 1991.

